

Man-days lost as a result of strikes in 1965 and 1966

5287 Shri George Fernandes:  
Dr. Ram Manohar Lohia:  
Shri Madhu Limaye:  
Shri J. H. Patel:

Will the Minister of Labour and Rehabilitation be pleased to state the number of man-days lost in the years 1965 and 1966 through strikes in the various sectors in the country?

The Minister of Labour and Rehabilitation (Shri Hathi): A statement is laid on the Table of the House [Placed in Library. See No. LT-1000/87].

साहित्य, संगीत, नाटक तथा ललित कला अकादमियाँ

5289. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद . क्या शिक्षा मन्त्री यह बताते की कृपा करेंगे कि :

(क) साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी और ललित कला अकादमी के वर्तमान अध्यक्षों के नाम क्या है और उनकी सेवाएँ किस आधार पर ली जाती हैं; और

(ख) क्या इन अकादमियों के कार्यालयों का अब तक कोई मूल्यांकन किया गया है ?

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिभुव सेन) :

(क) साहित्य, संगीत नाटक और ललित कला अकादमियों के वर्तमान अध्यक्षों के नाम इस प्रकार हैं:—

1. डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्
2. श्रीमती इन्दिरा गांधी
3. डा० युल्क राज भानुबन् ।

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष का चुनाव अकादमी की महापरिषद् द्वारा कार्यकारी बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। संगीत नाटक और ललित कला अकादमियों के अध्यक्षों की नियुक्तियाँ

भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती हैं। आम तौर पर सार्वजनिक जीवन के ऐसे प्रमुख व्यक्तियों की नियुक्ति की जाती है, जिनकी कला और साहित्य में रुचि हो।

(ख) जी हा। अकादमियों के कार्य का पुनरीक्षण करने और उनके कार्यकालों को विद्या देने के बारे में सिफारिश करने के लिए, सरकार ने 1964 में सर्वोच्च डा० एच० जे० भासा की अध्यक्षता में एक पुनर्विचार समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट अक्टूबर, 1964 में पेश की थी।

#### Political Sufferers

5290. Shri Madhu Limaye:  
Dr. Ram Manohar Lohia:  
Shri S. M. Banerjee:  
Shri George Fernandes:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the number of political sufferers, State-wise, who have received grants from the Centre so far; and

(b) the total amount earmarked for this so far and the amount actually spent?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) and (b). Two statements are placed on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-1001/63].

#### Primary Teachers

5291. Shri Madhu Limaye:  
Dr. Ram Manohar Lohia:  
Shri S. M. Banerjee:  
Shri George Fernandes:

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether Government have made any survey of the relative number of women primary teachers and male teachers in the various States;

(b) whether Government have devised any scheme to increase the

number of women teachers in consultation with the States; and

(c) whether Government have asked the States to find out a solution to the problem of accommodation for women teachers in urban as well as rural areas?

The Minister of State in the Ministry of Education (Shri Bhagwat Jha Asad): (a) A survey conducted recently by the National Council of Educational Research and Training has revealed the following position:

	Rural	Urban	Total
Male	797,153	130,822	927,975
Female	133,617	134,519	268,136
TOTAL	930,770	265,341	11,96,111

(b) The need for special measures such as the following, to recruit women teachers on a bigger scale, has constantly been emphasised:—

- (i) Provision of residential quarters for women teachers in the rural areas;
- (ii) provision of special allowance including rural house rent allowance;
- (iii) provision of condensed courses;
- (iv) posting of husband and wife at the same place, wherever possible, and
- (v) relaxation of age rules and re-employment after retirement, wherever necessary.

(c) Special programmes for women's education in the Fourth Five Year Plan provide for the construction of residential quarters for women teachers in rural areas.

In so far as the urban areas are concerned, the National Council for Women's Education considered the general question of improving residential facilities for working women

in the urban areas and recommended that such facilities be provided in big towns where these are lacking. The recommendation has been duly forwarded to the State Governments.

बंगलौर में संसद का सत्र

5292. श्री प्रकाशचौर झातनी : क्या संसद-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बंगलौर प्रथम हैदराबाद में संसद का एक छोटा सत्र बुलाने के प्रश्न पर पुनर्विचार किया जा रहा है;

(ख) क्या राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से इससे निकलने वाले परिणामों पर भी विचार किया गया है; और

(ग) क्या इन दोनों स्थानों में से किसी एक स्थान पर संसद का एक छोटा सत्र बुलाने पर होने वाले प्रतिरिक्त खर्च का कोई अनुमान तैयार किया गया है ?

संसद-कार्य तथा संचार मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

दिल्ली में टेलीफोन कनेक्शन

5293. श्री स० चं० साधन :

श्री स० कु० किलकु :

श्री स० ना० जाहती :

श्री विठ्ठल कुमार चौधरी :

श्री यशपाल सिंह :

क्या संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 मार्च, 1967 को टेलीफोन कनेक्शनों के लिये कितने आवेदन-पत्र विचाराधीन थे;

(ख) क्या यह टेलीफोन कनेक्शन आवेदन-पत्र की प्राप्ति की क्रम-संख्या के अनुसार मंजूर किए जाते हैं;